भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 640

12दिसंबर, 2022 को उत्तर के लिए

विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र आरआईएनएल, को पेश आने वाली संचालनात्मक समस्याएं

640. श्री जी.वी.एल. नरसिंहा राव:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के नाम से जाने वाले राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), को इस वर्ष अब तक घाटा हुआ है;

(ख) इस वर्ष आरआईएनएल को घाटा होने के क्या कारण है जबकि गत वर्ष आरआईएनएल को अच्छा लाभ हुआ था;

(ग) क्या सरकार आरआईएनएल को अपनी कच्चे माल संबंधी लागत कम करने के लिए लौह अयस्क की आबध्द खदानों को प्राप्त करने में मदद करेगी और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा आरआईएनएल की कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं से पार पाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ड.) क्या सरकार ने आरआईएनएल द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से उच्च ब्जाज दरों पर लिए गए ऋण के भारी बोझ को कम करने के लिए कोई कदम उठाए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क)और(ख): जी हाँ।आरआईएनएल को वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा होने के मुख्य कारण उच्च प्रचालनात्मक लागत और कम शुद्ध बिक्री आय, कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत, ऋण चुकाने की लागत में वृद्धि, कार्यशील पूँजी की कमी और इस्पात उत्पादों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रतिकूल स्थितियां हैं।

(ग): आरआईएनएल ने राज्य सरकारों अर्थात् ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश से एमएमडीआर अधिनियम 2015 के 17 (2क) के अंतर्गत लौह अयस्क भण्डारों के आरक्षण हेतु खान मंत्रालय, भारत सरकार से सिफारिश करने का अनुरोध किया है। इस्पात मंत्रालय ने भी आरआईएनएल के पक्ष में एक लोह अयस्क ब्लॉक के आरक्षण के लिए ओडिशा सरकार से अनुरोध किया है।

(घ)और(ङ): आरआईएनएल ने कार्यशील पूँजी कीकमी और ऋण के भारी बोझ संबंधी मामलों को संबंधित बैंकों के साथ उठाया है।

****